

No. of Printed Pages : 8

**BHMCT-101**

**B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)  
HINDUSTANI MUSIC  
(BAPFHMH)**

**Term-End Examination**

**December, 2022**

**BHMCT-101 : HINDUSTANI MUSIC AND ITS  
FUNDAMENTALS**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** (i) *All questions are compulsory.*

(ii) *Please take care of the word limit.*

---

---

1. State the following sentences as True or False :

10

- (a) Music was a source of physical and mental peace for primitive man.
- (b) Panchamahabhuta in Indian culture means—earth, sky, water, fire and sun.
- (c) In Vedic times, Veena and Dundubhi were used for accompaniment during singing.

**P. T. O.**

- (d) By the time of Bharata there were only two Grams left in Music—Shadaj and Gandhar.
  - (e) The author of the medieval treatise *Chaturdandi Prakashika* was Pt. Ramamatya.
  - (f) Inspired by the ancient ‘Nirgeet’ songs, Amir Khusrau introduced ‘Tarana’ songs.
  - (g) There are 12 Thaats in Hindustani Music system.
  - (h) Murki, Khatka and Gamak are the types of Alankar.
  - (i) It is necessary to have at least 4 Swaras to form a Raga.
  - (j) The Raga similar to Raga Bhairav is Ramkali.
2. Write the definitions of the following terms : 10  
Raga, Tala, Naad, Swara, Alankar.
3. Fill in the blanks : 10
- (a) Sarangi is a string instrument which is played with .....
  - (b) There are mainly ..... strings in a Tanpura.
  - (c) Harmonium comes under the category of a ..... wind instrument.

- (d) ..... is an accompanying instrument of Dhrupad.
  - (e) Manjira comes under the category of ..... instruments.
  - (f) Sarod is a ..... string instrument.
  - (g) Sound is produced from the strings of Santoor by striking its strings with .....
  - (h) ..... is used to strike the strings of Veena and other instruments.
  - (i) ..... is a percussion instrument played with hands.
  - (j) The strings of the string instruments are tied tightly to the ..... of the Swaras.
4. Write short notes on any *six* from the following topics : 6×5=30
- (a) Music in Buddha period
  - (b) Music in Gupta period
  - (c) Music in Natyashastra
  - (d) Indian music in the time period of 13th to 18th century
  - (e) Music genres promoted by Amir Khusrau
  - (f) Types of Naad and characteristics of Naad
  - (g) Rules of making a Raga
  - (h) Attributes and characteristics of Raga Bhairav

5. Answer any *four* of the following questions in **400** words each : 4×10=40
- (a) Write in detail about the 10 Pranas of Tala.
  - (b) Explain in detail how the Raga is sung following the rules of the Raga.
  - (c) Give a detailed description of Alankar and its different types.
  - (d) Write a brief description of any *two* Ragas of the syllabus and write the Theka of any *two* Talas.
  - (e) Explain the importance of music in Indian culture.
  - (f) Give a brief description of any *five* music treatises written in the medieval period.

**BHMCT-101**

बी. ए. ( ऑनर्स ) ( प्रदर्शन कला )

हिन्दुस्तानी संगीत

( बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी. एच. एम. सी. टी.-101 : हिन्दुस्तानी संगीत और  
उसके मूल सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

**नोट :** (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) कृपया शब्द-सीमा का अनुपालन करें।

- 
- 
1. निम्नलिखित वाक्यों को सही या गलत बताइए : 10
- (क) संगीत आदिम मनुष्यों के लिए शारीरिक और मानसिक विश्रान्ति का एक स्रोत था।
- (ख) भारतीय संस्कृति में पंचमहाभूत का अर्थ है— पृथ्वी, आकाश, जल, अग्नि और सूर्य।
- (ग) वैदिक समय में गायन के साथ वीणा तथा दुन्दुभी का संगत होता था।

- (घ) भरत के समय तक संगीत में केवल दो ग्राम रह गये थे—षड्ज तथा गंधार।
- (ङ) मध्यकालीन ग्रन्थ 'चतुर्दण्ड प्रकाशिका' के लेखक पं. रामामात्य थे।
- (च) प्राचीन 'निर्गीत' गीतों से प्रेरित होकर अमीर खुसरो ने 'तराना' गीत का प्रवर्तन किया।
- (छ) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में 12 थाट हैं।
- (ज) मुर्की, खटका और गमक आदि अलंकारों के प्रकार हैं।
- (झ) राग के निर्माण के लिए कम से कम चार स्वरों का होना अनिवार्य है।
- ( 1) राग भैरव का समप्राकृतिक राग रामकली है।
2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा लिखिए :10  
राग, ताल, नाद, स्वर, अलंकार
3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 10
- (क) सारंगी एक ..... से बजाई जाने वाली तत् वाद्य है।
- (ख) तानपुरे में मुख्यतः ..... तार होते हैं।

- (ग) हारमोनियम एक ..... वाद्य के वर्ग का वाद्य है।
- (घ) ..... ध्रुपद का संगत वाद्य है।
- (ङ) मंजीरा ..... वाद्य के वर्ग का वाद्य है।
- (च) सरोद एक ..... वाला तत् वाद्य है।
- (छ) संतूर वाद्य के तारों पर ..... द्वारा आघात कर के ध्वनि की उत्पत्ति होती है।
- (ज) वीणा आदि वाद्यों के तारों को छेड़ने के लिए ..... का इस्तेमाल किया जाता है।
- (झ) ..... एक हाथ से बजाने वाला ताल वाद्य है।
- ( I ) तत् वाद्यों के तारों को ..... के द्वारा कसकर स्वरों में बाँधा जाता है।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं छः विषयों पर टीका लिखिए : 6×5=30
- (क) बौद्धकाल में संगीत
- (ख) गुप्तकाल में संगीत
- (ग) नाट्यशास्त्र में संगीत
- (घ) तेरहवीं से अरहवीं शताब्दी के कालखण्ड में भारतीय संगीत

- (ड) अमीर खुसरो द्वारा प्रचारित संगीत विधाएँ
- (च) नाद के प्रकार और नाद की विशेषताएँ
- (छ) राग रचना के नियम
- (ज) राग भैरव के लक्षण और विशेषताएँ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के **400-400** शब्दों में उत्तर दीजिए :  $4 \times 10 = 40$

- (क) ताल के दस प्राणों के सम्बन्ध में विस्तार से लिखिए।
- (ख) राग नियमों को बरतते हुए राग का निष्पादन किस प्रकार से किया जाता है, विस्तारपूर्वक बताइए।
- (ग) अलंकार और उसके विभिन्न प्रकारों का विस्तारित विवरण दीजिए।
- (घ) पाठ्यक्रम के किन्हीं **दो** रागों का संक्षिप्त विवरण तथा किन्हीं **दो** तालों का ठेका लिखिए।
- (ड) भारतीय संस्कृति में संगीत के स्थान को स्पष्ट कीजिए।
- (च) मध्यकाल में लिखे गये किन्हीं **पाँच** संगीत के ग्रन्थों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।